आज ग्यारस की रात और तेरे दरबार

आज ग्यारस की रात और तेरे दरबार ,
आजो श्याम कब से खडा हु दरबार ,
आज ग्यारस ...

मैं तेरे हु तेरे तू मेरे है श्याम ,
तेरे खाटू छोड़ के जाऊ कहा॥
खाटू आता हु श्याम,प्यार पाता हु श्याम ,
अजो श्याम ...

हर साल आता हु मेरे खाटू धाम ,
इस बार भी आया मेरे खाटू धाम॥
खाटू आया हु श्याम ,अब ना जाहुगा श्याम ,
अजो श्याम...

तेरे दर पर आता है सारा जहा,
मैं कटारिया भी आया तेरे दरबार ,
खाटू आना की गुन,मेरे सिर पर चड़ी,
अजो श्याम ...

लेखक- सुरेश कटारिया
मो. 9782409942

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/2354/title/aaj-gyaras-ki-raat-or-tere-darbar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |